दैनिक
न्याय साक्षी

संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-सेहत-फीचर-खाना खजाना- राशिफल

रायगढ़, रविवार 22 अगस्त 2021

www.nyaysakshi.com

संपादकीय

अमेरिका पर दाग

देश-दुनिया में हो रही आलोचनाओं का बचाव करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति अफगानिस्तान के तुरत-फुरत तालिबान के कब्जे में आने के लिये अफगान सरकार व सेना को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। लेकिन दुनिया महसूस कर रही है कि युद्धग्रस्त अफगानिस्तान में दो दशक से फंसे अमेरिका ने अपना पिंड छुड़ाने को तीन करोड़ अफगानियों को क्रूर तालिबानियों के रहमोकरम पर छोड़ दिया है। सवाल पूछा जा रहा है कि दो दशकों में एक ट्रिलियन डॉलर खर्च करने और तीन लाख अफगान सैनिकों को प्रशिक्षित करने के दावे के बावजूद क्यों तालिबानियों को काबुल यूं आसानी से सौंप दिया। यदि सेना व सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप थे तो ये अमेरिकी सेना की नाक के नीचे क्यों होने दिया गया? सवाल यह है कि बाइडेन प्रशासन ने जब ट्रंप सरकार द्वारा लिये गये सेना वापसी के फैसले को क्रियान्वित किया तो सेना निकासी कार्यक्रम को योजनाबद्ध ढंग से क्यों अंजाम नहीं दिया गया? क्यों वैकल्पिक सरकार की व्यवस्था करके तालिबान को चरणबद्ध ढंग से लौटने को बाध्य नहीं किया गया। इस अप्रत्याशित घटनाक्रम ने फरवरी, 2020 में अमेरिका व तालिबान के बीच दोहा में हुए शांति समझौते पर भी सवालिया निशान लगा दिये हैं। आखिर जिस समझौते से स्थायी व व्यापक युद्धविराम तथा तालिबान व अफगान सरकार में वार्ता का मार्ग प्रशस्त होना था, वह हकीकत क्यों नहीं बन सका। अप्रैल में बाइडेन प्रशासन की सेना वापसी की घोषणा के बाद यह दांव उलटा क्यों पड़ गया। सवाल इस सारे प्रकरण में पाकिस्तान की संदिग्ध भूमिका को लेकर भी है, जिसको लेकर अमेरिका का रुख अनदेखी का ही रहा। भारत ने तालिबान को बढ़ावा देने में पाक की भूमिका के बाबत पिछले माह दिल्ली आये अमेरिकी विदेशमंत्री एंटनी ब्लिंकन को अवगत कराया था, लेकिन वे भारत की चिंताओं को दूर करने में विफल रहे। सही मायनों में अमेरिका को विश्व जनमत के सामने ईमानदारी से अपनी नाकामी स्वीकार करनी चाहिए।

अमेरिका में डेमोक्रेट राष्ट्रपति जो बाइडेन के चुने जाने के बाद दुनिया में उम्मीद जगी थी कि विश्व में लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना को गति मिलेगी। चीन की मनमानी के खिलाफ यूरोपीय यूनियन से एकजुटता व जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर सक्रियता ने इस विश्वास को बढ़ाया था, लेकिन अफगानिस्तान के घटनाक्रम ने अमेरिका की नेतृत्वकारी भूमिका पर सवालिया निशान लगा दिये हैं। कोरिया, वियतनाम, इराक के साथ अफगानिस्तान की नाकामी भी अमेरिकी इतिहास में दर्ज हो गई है। अफगानिस्तान का जनमानस भय व असुरक्षा के बीच जी रहा है। फिर देश बीस साल पुरानी स्थिति में जा पहुंचा है। दुनिया के तमाम देशों के वे लोग जो अफगानिस्तान के विकास के लिये पहुंचे थे, आज तालिबान के रहमोकरम पर हैं। सवाल उठाये जा रहे हैं कि जब तालिबान ने शांति समझौते का पालन नहीं किया तो अमेरिका को अफगानिस्तान से निकलने की जल्दबाजी क्या थी? इस बीच तालिबान ने हमले व बम धमाकों का क्रम जारी रखा तो क्यों उसे समझौते के पालन के लिये बाध्य नहीं किया गया। अमेरिका ने सख्ती क्यों नहीं दिखायी? बहरहाल, बाइडेन प्रशासन की जल्दबाजी से जहां पूरी दुनिया में अमेरिका को शर्मिंदगी उठानी पड़ रही है, वहीं दुनिया आतंक की नई जमीन तैयार होने से आशंकित है। दरअसल, न तो अमेरिका व न ही संयुक्त राष्ट्र जैसे संगठन यह विश्वास दिलाने में कामयाब हो पाये हैं कि तालिबान के कब्जे में आये अफगानिस्तान में लोकतांत्रिक मूल्यों व खासकर महिलाओं के अधिकारों की रक्षा होगी। रणनीतिक तौर पर तालिबान मीठी-मीठी बातें कर रहा है लेकिन उसके अतीत को देखते हुए उस पर भरोसा करना कठिन है। अमेरिकी जल्दबाजी से आधुनिक हथियारों व वायुसेना पर तालिबान के कब्जे से आज वह दुनिया का सबसे शक्ति शाली आतंकी संगठन बन चुका है। यह कहना भी जल्दबाजी होगी कि तालिबान में कोई सर्वमान्य नेतृत्व विकसित हो पायेगा।

एनटीपीसी ने देश की सबसे बड़ी फ्लोटिंग सोलर पीवी परियोजना शुरू की

विशाखापत्तनम (आरएनएस)। नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (एनटीपीसी) लिमिटेड ने आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में अपने सिम्हाद्री थर्मल स्टेशन के जलाशय पर 25 मेगावाट की सबसे बड़ी फ्लोटिंग सोलर पीवी परियोजना की शुरूआत की है। यह भारत सरकार द्वारा वर्ष 2018 में अधिसूचित फ्लेक्सिबिलाइजेशन योजना के तहत स्थापित की जाने वाली पहली सौर परियोजना भी है।

सौर पीवी परियोजना का उद्घाटन आज एनटीपीसी के आरईडी (डब्ल्यूआर2 और एसआर) श्री संजय मदान के द्वारा किया गया।

जलाशय में स्थापित किये गए इस तैरते हुए सोलर इंस्टॉलेशन को अद्वितीय एंकरिंग डिज़ाइन में बनाया गया है और यह एक आरडब्ल्यू जलाशय में करीब 75 एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है। इस फ्लोटिंग सोलर परियोजना के जरिये 1 लाख से अधिक सोलर पीवी मॉड्यूल से बिजली पैदा करने की क्षमता है। इससे न केवल लगभग 7,000 घरों को रोशन करने में सहायता प्राप्त होगी, बल्कि इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि इस परियोजना की पूरी समयावधि के दौरान हर वर्ष कम से कम 46,000 टन कार्बन डाइऑक्साइड को कम किया जाए। इस परियोजना से प्रति वर्ष 1,3640 लाख लीटर पानी की बचत होने की भी उम्मीद है। इतना पानी 6,700 घरों की वार्षिक जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त होगा।

2000 मेगावाट का कोयला आधारित सिम्हाद्री स्टेशन परियोजना बंगाल की खाड़ी से सीडब्ल्यू सिस्टम के लिए समुद्री जल प्राप्त करने वाली पहली बिजली परियोजना है, जो 20 वर्षों से भी अधिक समय से कार्य कर रही है।

एनटीपीसी ने सिम्हाद्री में पायलट आधार पर हाइड्रोजन आधारित माइक्रो-ग्रिड प्रणाली स्थापित करने की भी योजना बनाई है।

66900 मेगावाट की कुल स्थापित क्षमता के साथ, एनटीपीसी समूह के पास 29 नवीकरणीय परियोजनाओं सहित 71 पावर स्टेशन हैं। एनटीपीसी ने वर्ष 2032 तक 60 गीगावाट (जीडब्ल्यू) अक्षय ऊर्जा (आरई) क्षमता स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। एनटीपीसी भारत की ऐसी पहली ऊर्जा कंपनी भी है जिसने ऊर्जा पर संयुक्त राष्ट्र उच्च स्तरीय वार्ता (एचएलडीई) के हिस्से के रूप में अपने ऊर्जा समझौता लक्ष्यों को घोषित किया हुआ है।

एनटीपीसी समूह के पास 17 गीगावाट से अधिक ऊर्जा क्षमता निर्माणाधीन है, जिसमें 5 गीगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं भी शामिल हैं। पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा परियोजनाओं के माध्यम से सस्ती कीमतों पर बिजली की निर्बाध आपूर्ति एनटीपीसी की पहचान रही है।

बीपीसीएल ने ग्राहकों के डिजिटल अनुभव को बेहतर करने को तैयार किया ऊर्जा चैटबॉट

नईदिल्ली। भारतीय पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) ने ग्राहकों के अनुभव को बेहतर करने और उनके सवालों/मुद्दों के तेजी से समाधान के लिए एक कृत्रिम मेधा आधारित (एआई) चैटबॉट ऊर्जा तैयार किया है। देश के तेल और गैस उद्योग में इस तरह की यह पहली सुविधा है। कंपनी ने एक बयान में कहा, 'चैटबॉट एआई और एनएलपी (प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण) क्षमताओं के साथ एक तरह का वर्चुअल असिस्टेंट है। ऊर्जा चैटबॉट 600 से अधिक उपयोग के मामलों में प्रशिक्षित है। वर्चुअल असिस्टेंट एलपीजी बुकिंग, कीमत और भुगतान की स्थिति, बुक किए गए एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति की स्थिति जैसी सेवाएं प्रदान करता है। ऊर्जा चैटबॉट उपयोगकर्ताओं को एलपीजी सिलेंडर वितरक को बदलने, मोबाइल नंबर अपडेट करने, भारत गैस के वितरकों से सेवाओं का अनुरोध करने और डबल बोतल कनेक्शन (सिंगल बोतल कनेक्शन ग्राहकों के लिए) की मांग करने की भी सुविधा प्रदान करता है। इस चैटबॉट को आसपास के किसी पेट्रोल पंप का पता लगाने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

दुनिया के चौथे सबसे अमीर शख्स का भारत की ओयो कंपनी पर आया दिल, 37 करोड़ रुपए किए निवेश

नईदिल्ली । टेक्नोलॉजी सेक्टर की प्रमुख कंपनी माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन ने ओयो (ओयो) में करीब 37 करोड़ रुपए (50 लाख डॉलर) का निवेश किया है. यह निवेश इच्टी शेयरों और अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय संचयी तरजीही शेयरों के निजी आवंटन के जरिये किया गया है.

हॉस्पेटिलिटी सेक्टर की कंपनी ओयो ओयो ने एक नियामकीय सूचना में यह कहा है. इसमें कहा गया है कि ओयो रूम्स होटल सीरीज को चलाने वाली कंपनी आरेवेल स्टेज प्रा. लि. की 16

जुलाई को हुई असाधारण आम बैठक में कंपनी के एफ2 अनिवार्य परिवर्तनीय संचयी तरजीही शेयरों और इच्टी शेयरों को निजी आवंटन के आधार पर माइक्रोसॉफ्ट कापोर्रेशन को कुल मिलाकर 4,971,650 डॉलर के समान रुपए में जारी करने को मंजूरी दी गई.

सौदे के तहत ओयो 10 रुपए अंकित मूल्य के पांच इच्टी शेयर 58,490 अमेरिकी डॉलर के बराबर के भारतीय रुपए के इश्यू मूल्य पर जारी करेगी. इसके अलावा एफ2 सीरीज के 100 रुपए अंकित मूल्य वाले 80 सीसीसीपीएस 58,490 डॉलर प्रति सीरीज एफ2 मूल्य के बराबर रुपए में जारी करने को भी मंजूरी दी गई.

ओयो होटल्स एंड होम्स प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही है. इसके लिए कंपनी बाजार नियामक सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस सितंबर में फाइल कर सकती है. ओयो में जापान के सॉफ्टबैंक ग्रुप कॉर्प की 46 फीसदी हिस्सेदारी है.

ओयो, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, इंजीनियरिंग, प्रोडक्ट मैनेजर्स, डिज़ाइनर्स, डेटा साइंटिस्ट्स को एंट्री-लेवल से लेकर सीनियर लीडरशिप रोल्स सहित 300 से ज्यादा टेक्नोलॉजी प्रोफेशनल्स को हायर करने की योजना बना रही है. एक्सपेंडेड डिजाइन, प्रोडक्ट और इंजीनियरिंग टीमें शुरुआत से ओयो के लिए लॉन्ग टर्म कैपेबिलिटी का निर्माण करने और वर्तमान टेक स्टैक को अपडेट करने के लिए जिम्मेदार होंगी.

गौतम अडानी को बड़ा झटका, सेबी ने अडानी विल्मर के आईपीओ पर लगाई रोक

नईदिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने अडानी विल्मर के आईपीओ पर रोक लगा दी है। अडानी विल्मर 4500 करोड़ रुपए का इश्यू लाने वाला था लेकिन फिलहाल इस योजना पर ब्रेक लग गया है। इसकी वजह है अडानी एंटरप्राइज के खिलाफ चल रही जांच। फॉरेन पोर्टफोलियो इनवेस्टमेंट की जांच के कारण सेबी ने फिलहाल अडानी विल्मर के आईपीओ को रोक दिया है। बता दें कि अडानी विल्मर एडिबल ऑयल ब्रांड फॉर्च्यून बनाती है।

इस मामले की जानकारी रखने वाले एक शख्स ने बताया कि अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के खिलाफ चल रही फॉरेन पोर्टफोलियो इनवेस्टमेंट की जांच के कारण सेबी ने यह कदम उठाया है। अडानी विल्मर 4500 करोड़ रुपये का इश्यू लाने वाला था लेकिन फिलहाल इस योजना पर ब्रेक लग गया है। अडानी विल्मर में अडानी एंटरप्राइज की 50 फीसदी हिस्सेदारी है।

सेबी की पॉलिसी के मुताबिक आईपीओ के लिए आवेदन करने वाली कंपनी के किसी डिपार्टमेंट में जांच चल रही हो तो उसके आईपीओ को 90 दिनों तक मंजूरी नहीं दी जा सकती है।

भारत के अमित खत्री ने विश्व अंडर 20 एथलेटिक्स में रजत जीता

» पानी के लिए रुके भारतीय एथलीट के हाथों निकल गया गोल्ड मेडल

नैरोबी। यहां अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत के अमित खत्री ने इतिहास रचते हुए 10 हजार मीटर वॉकिंग रेस में रजत पदक जीता। इस प्रतियोगिता में यह भारत का दूसरा पदक है। इससे पहले भारत ने 4×400 मीटर रेस में कांस्य पदक जीता था।

अमित खत्री ने यह दूरी 42 मिनट और 17.49 सेकेंड में पूरी की, जबकि इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक कीनिया के हेरिस्टोन वान्योनी के नाम रहा जिनहोंने निर्धारित दूरी 42.10 84 समय में पूरी की। स्पेन के पॉल मेक्ग्रा ने 42:26.11 समय में दूरी तय कर कांस्य पदक जीता। यह पहली बार हुआ है जब भारत ने वॉकिंग स्पर्धा में दो पदक जीते हैं। साई मीडिया ने ट्वीट किया, अमित कुमार ने स वर्ल्ड एथलेटिक्स अंडर-20 में 10000 मीटर की

पैदलचाल में 42:17.94 मिनट का समय लेकर सिल्वर मडेल जीता है। यह पहला मौका है जब भारत ने एक चैंपियनशिप में पैदल दौड़ में दो पदक जीते हों। बहुत मुबारक हो चैंपियन। 17 वर्षीय अमित के लिए यह साल बेहतर रहा है। इस वर्ष की शुरुआत में उन्होंने 10 किलोमीटर दौड़ में नया राष्ट्रीय अंडर-20 रिकार्ड कायम किया था। इस दौरान उन्होंने 18वें राष्ट्रीय फेडरेशन कप में 40.97 सेकेंड के समय के साथ पदक जीता था। रेस के अंतिम पड़ाव की ओर बढ़ने से पहले अमित खत्री सबसे आगे चल रहे थे, लेकिन तभी उन्हें सांस लेने में थोड़ी परेशानी हुई और उन्होंने अंतिम लैप से पहले पानी पीने के लिए ब्रेक लिया।

वेब सीरीज हीरा मंडी में नजर आएंगी ऋचा चड्ढा

फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली ने इंडस्ट्री को कई ऐतिहासिक फिल्में दी हैं। वह हाल के दिनों में अपनी बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज हीरा मंडी को लेकर सुर्खियों में रहे हैं। इस सीरीज से भंसाली डिजिटल प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करने जा रहे हैं। महिला केंद्रित इस सीरीज में बॉलीवुड की कई अभिनेत्री दिखने वाली हैं। अब खबर सामने आ रही है कि ऋचा चड्ढा भंसाली की हीरा मंडी में अहम भूमिका में नजर आ सकती हैं।

रिपोर्ट की मानें तो ऋचा को भंसाली की हीरा मंडी में शामिल

कर लिया गया है। हाल के दिनों में उन्हें कई बार फिल्ममेकर भंसाली के ऑफिस के पास देखा गया था। इसके बाद कयास लगाए गए थे कि दोनों के बीच किसी प्रोजेक्ट को लेकर बातचीत चल रही है। आखिरी बार दोनों कलाकार 2013 में आई फिल्म गोलियों की रासलीला राम-लीला के लिए साथ आए थे। फिल्म में ऋचा ने रसीला की भूमिका निभाई थी।

एक सूत्र ने कहा, सुनने में आ रहा है कि भंसाली और ऋचा ने इस प्रोजेक्ट को लेकर कई मुलाकातें की हैं। हाल में ऋचा को भंसाली के ऑफिस के पास स्पॉट किया गया था। मेकर्स एक साथ कई शानदार कलाकारों को कैमरे के आगे और पीछे लाते हैं, जिससे काम करने का रोमांच बढ़ जाता है। हीरा मंडी के पहले एपिसोड को भंसाली खुद डायरेक्ट करेंगे। वहीं, इसके बाकी एपिसोड को विभु पुरी निर्देशित करने वाले हैं।

अक्षय कुमार की 'बेलबॉटम' का बन सकता है सीक्वल, एक्टर ने खुद किया खुलासा

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की मशहूर फिल्म 'बेलबॉटम' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है. जहां इस फिल्म को अच्छा रिस्पांस मिल रहा है. ऐसे में अब फिल्म के सीक्वल बनाए जाने की खबरें सामने आ रही हैं. बीते रोज फिल्म की टीम ने मीडिया के लिए एक खास स्क्रीनिंग का आयोजन किया था. जहां लंदन में मौजूद अक्षय कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए खुलकर मीडिया से बात चीत की. अपनी इस खास बात चीत के दौरान एक्टर ने इस फिल्म के सीक्वल को लेकर भी

बात की है. अक्षय कुमार ने कहा, जी हां, जिस तरह से हमने अपनी इस फिल्म को खत्म किया है, उसके बाद इसका सीक्वल भी जरूर बनाया जा सकता है. एक्टर ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि अगर इस फिल्म के मेकर्स एक तगड़ी स्क्रिप्ट के साथ मुझे अप्रोच करते हैं तो मैं जरूर इस फिल्म के सीक्वल में काम करना चाहूंगा.

आज का राशिफल

मेष :- आज का दिन शुभ रहेगा। लंबे समय से फंसा हुआ धन वापस मिलेगा। खिलाड़ियों के लिए समय अच्छा रहेगा। अपने ज्ञान से दूसरों को काफी प्रभावित करेंगे।

वृषभ :- कारोबारियों के लिए आज का दिन शुभ है। प्रॉपर्टी में निवेश अच्छा रहेगा। धनलाभ के नए रास्ते खुलेंगे। व्यापार-धंधे में अच्छा लाभ मिलने के योग हैं।

मिथुन :- आज का दिन सामान्य रहेगा। रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। परिजनों और मित्रों की मदद से धनलाभ की प्राप्ति होगी। रिश्तों में मिठास बढ़ेगी।

कर्क :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। आफिस में तरक्की मिल सकती है। कारोबार में अच्छा मुनाफा होगा, जिससे आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।

सिंह :- आज का दिन शुभ रहेगा। आपका रुझान धार्मिक कार्यों की अधिक रहेगा। अध्यात्म में लगाव बढ़ सकता है।

कन्या :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। संपत्ति के मामले में बड़े फैसले हो सकते हैं। कारोबार में धन लाभ होगा। जो बेरोजगार चल रहे हैं, उनके लिए नौकरी मिलने के योग बन रहे हैं।

तुला :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ मिलेगा। विदेश यात्रा का योग बन सकता है।

वृश्चिक :- आज का दिन अच्छा रहेगा। पिता के कारोबार में सहयोग करेंगे। आकस्मिक धनलाभ के योग बन रहे हैं। पारिवारिक रिश्ते मजबूत बनेंगे।

धनु :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कारोबार में अच्छा मुनाफा होने से आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे।

मकर :- आज का दिन सामान्य रहेगा। आय की तुलना व्यय की मात्रा अधिक रहेगी। कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबारियों को लाभ मिलेगा। नौकरी में तरक्की हो सकती है। उच्च अधिकारियों और सहयोगियों का भरपूर सहयोग मिलेगा।

मीन :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्य में सफलता भी मिलेगी। कारोबारियों को धनलाभ होगा और आय के नए स्रोत मिलेंगे।

मिठाईयों से अलग तो ट्राय करें चोकोनट डोनट

चॉकलेट और कोकोनट के कॉम्बिनेशन से मिलकर बना ये डोनट बहुत ही टेस्टी होता है। तो इसे कैसे घर पर आसानी से बनाएं, जानते हैं इसकी क्रिक रेसिपी।

सामग्री :

आटा गूंथने की सामग्री- 2.5 कप मैदा, 3/4 कप मिल्क, 1/3 कप बटर, 2.5 टेबलस्पून शुगर, नमक चुटकी भर, 1 टीस्पून यीस्ट, तलने के लिए ऑयल

ग्लेज देने के लिए सामग्री- 1/2 कप कैस्टर शुगर, 250 ग्राम डार्क कंपाउड चॉकलेट, 200 ग्राम व्हाइट कंपाउड चॉकलेट, 300 ग्राम कोकोनट बूरा

विधि :

डोनट का डो बनाने के लिए दूध को हलका गर्म करें और बटर को पिघला कर मैदे में मिलाएं। अब इसमें शुगर, नमक, यीस्ट डालकर लगभग 5-7 मिनट तक गूंधें।

अब डो को 1/2-3/4 सेंटीमीटर की मोटाई में बेल लें। डोनट का शेप देने के लिए ग्लास से कट करें और बीच में होल करने के लिए बोतल की कैप का इस्तेमाल करें। इस तरह डोनट का शेप दें और ऑयल से ब्रशिंग कर 2 घंटे के लिए अलग रख दें।

अब सभी डोनट्स को सुनहरा होने तक डीप फ्राई करें। हॉट डोनट पर पाउडर शुगर डालकर डस्ट करें।

डोनट को ग्लेज देने के लिए मेल्टेड डार्क और व्हाइट चॉकलेट में डिप करें। ऊपर से कोकोनट के बुरादे से कोट कर सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 177

बाएं से दाएं

1. दुड्डी पर के बाल, दुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

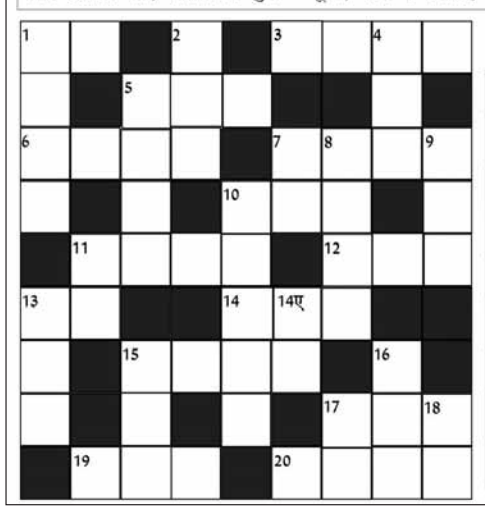

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 176 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्व			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

सू-दोकू- 177

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.176 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6